हरि इच्छा भावी बलवाना हृदय बिचारत शम्भु सुजाना
तब शंकर प्रभु पद सिरु नावा सुमिरत रामु हृदय अस आवा
एहि तन सतिहि भेट मोहि नाहीं शिव संकल्पु कीन्ह मन माही
|| मानस शिव संकल्प || Ram Katha 976 - Gujrat || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 278 | इंदौर, शनिवार 25 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

तव कथामृतम्...!

संक्षेप में 4 वस्तु करो तो भी काफी है, 4 मुद्दे सनातन के लेकर जाना तो आपकी पीढ़ियां तैर जाएगी....

वशिष्ठ जी को भगवान राम ने प्रश्न पूछा कि महाराज... मुझे 4 वस्तु बताओ...मैं जीवन में आचरण कर सकूं और फिर समाज को कह सकूं... वशिष्ठ जी ने राम जी को 4 वस्तु बताई...

मोक्षद्वारे द्वारपालाश्चत्वारः
परिकीर्तिताः
शमो विचारः संतोषश्चतुर्थः
साधुसङ्गमः
हे राघव... मोक्ष के द्वार पर
4 द्वारपाल खड़े हैं...
शमो विचारः संतोषश्चतुर्थः
साधुसङ्गमः

1...शमो...यानि शांति... शांत रहना... आप यहां कथा में जितने शांत हो उसके 5 प्रतिशत भी यदि घर में शांति रखोगे ना तो मोक्ष के द्वार में हमारा प्रवेश हो जाएगा... सबके बीच में शांत रहना...

2... विचार...विचार को बहुत महत्व दो...विचार में बहुत ताकत है... आप विचार के बिना कथा मत सुनो... विचार करो... बहुत मनन करो... मोरारी बापू ने कहा इसलिए मान मत लो...एक विचार आदमी को डिप्रैस कर दे...एक विचार आदमी को बैठा कर दे....

3...संतोष... जीवन में संतोष... कहीं तो रुकना पड़ेगा...तृष्णा ही दुख का कारण है... प्रमाणिक प्रयत्न करो... पुरुषार्थ करो... लेकिन परिणाम में जो आए उसमें फिर संतोष रखो...

वशिष्ठ जी बहुत ही व्यवहारिक निर्णय देते हैं कि तुम शांत न रह सको... शांति न रख सको... तो चलो कोई बात नहीं.. तुम्हारी गलत विचार...दुर्विचार करने की आदत हो... उसमें तुम लिप्त रहो तो चलो वो भी जाने दो... संतोष ना कर पाओ.... जीव स्वभाव के कारण... चलो उसको भी जाने दो.... लेकिन चौथा....

4...साधु का संग कर लो... जो साधु का संग करेगा उसको शांति मिलेगी... जो साधु का संग करेगा उसके विचार निर्मल होंगे...जो साधु का संग करेगा उसको लगेगा कि अब क्या बाकी रहा... उसको संतोष मिलेगा....

इसलिए आपने पूछा है तो संक्षेप में कहूं... साधु का संग करो....

(रामकथा -मानस शिव संकल्प)
साभार-
ChitrkutdhamTalgajarda

बात मुद्दे की

शादी का सीजन आते ही हमारे यहां की सड़कें खुद-ब-खुद डांस फ्लोर में कन्वर्ट हो जाती हैं

बारात जैसे ही निकलती है, लगता है "India's Got Talent" का लाइव ऑडिशन चल रहा हो—

जो घर पर रिमोट तक उठाने में आलस करता था, वो भी आज ऐसे नाचता है जैसे कोरियोग्राफर खुद उसी को ट्रेनिंग देकर भेजा हो

कोई नागिन बन जाता है, कोई ब्रेकडांस का बाप और कुछ लोग तो ऐसे स्टेप निकालते हैं कि साइंस भी कन्फ्यूज हो जाए!

डीजे इतना तेज बजता है कि
मोबाइल की रिंगटोन भी शर्म से साइलेंट हो जाए
और दिल की धड़कन बोले—"भाई, मैं जाऊं क्या छुट्टी पर?"

ढोल-नगाड़े, मशाल, छत्र पूरा सेटअप ऐसा कि
ट्रैफिक, एम्बुलेंस, और पड़ोसी सब VIP दर्शक बनकर खड़े रहते हैं

किसी को ऑफिस जाना है, किसी को सोना है
पर बारातियों का एक ही नियमः
"सड़क हमारी, स्टेज हमारा, मूड हमारा!"
और हां, रिसर्च का नया टॉपिक तैयार है—
"बारात में पैदा होने वाले अनोखे डांस स्टेप्स और उनका वैश्विक प्रभाव"

खुशियां मनाइए, जमकर मनाइए
पर अगर थोड़ी सी आवाज कम और थोड़ा सा रास्ता खाली रख दें,
तो आपकी बारात और भी सुपरहिट हो जाएगी

(#पुष्प FB post से साभार)

"शादी संस्कार है सिर्फ इवेंट नहीं"

वो मंत्र, वो विधि, जो पीढ़ियों से रिश्ते को संस्कार देती आई है,उसे आज "बैकग्राउंड एक्टिविटी" बना दिया गया है।

आजकल के शादियों का नया ट्रेंड देख रहे हो?

विवाह कम "इवेंट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट" ज्यादा लगने लगा है।

हल्दी में थीम, मेहंदी में डीजे, संगीत में एंट्री शॉट,ड्रोन कैमरा, स्लो मोशन, रील्स के लिए 20 टेक

पर जैसे ही असली विवाह विधि शुरू होती है—

"पंडित जी जल्दी करिए",
"इतना लंबा क्यों?",
"बस सिंपल कर दीजिए"

वो मंत्र, वो विधि, जो पीढ़ियों से रिश्ते को संस्कार देती आई है,

उसे आज "बैकग्राउंड एक्टिविटी" बना दिया गया है।और हद तो तब होती है जब

पुरोहित का मजाक उड़ाकर, उन्हें "ओल्ड फैशन" या "बोरिंग" कहकर

लोग खुद को मॉडर्न समझते हैं।

सवाल ये नहीं है कि शादियों में खुशियां क्यों हैं—

सवाल ये है कि क्या हम दिखावे के चक्कर में अपने ही संस्कारों को साइडलाइन कर रहे हैं?

रातभर डीजे पर थिरकने का टाइम है,

पर सात फेरे के मंत्र सुनने का धैर्य नहीं?

शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं,

दो परिवारों, परंपराओं और विश्वासों का संगम है।थोड़ा रुककर सोचिए

क्या हम "वायरल रील" के लिए शादी कर रहे हैं

या "जीवनभर के रिश्ते" के लिए?

#सोच_बदलिए #संस्कार_समझिए #शादी_या_शो

इंदौर सामुदायिक मध्यस्थता समूह का "समस्या से समाधान" की ओर कार्यक्रम संपन्न

कलेक्टर एवं कमिश्नर कार्यालय सहित 25 सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र किया जा रहे संचालित

● धर्म/समाज के 120 प्रमुखों को किया प्रशिक्षित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सामुदायिक मध्यस्थता समूह द्वारा समस्या से समाधान की ओर कार्यक्रम सयाजी होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस श्री संजीव सचदेवा ने मध्यस्थता कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मध्यस्थता का माध्यम समाज को सही रूप में सामाजिक न्याय दिलाता है मध्यस्थतों द्वारा किए गए कार्यों से दोनों ही पक्षों को न्याय मिलता है जबकि न्यायालय के द्वारा एक पक्ष के ही हित में निर्णय दिया जाता है प्रशासनिक न्यायाधीश उच्च न्यायालय श्री विवेक रूसिया एवं डॉ. मोहम्मद शमीम मध्यस्थ प्रशिक्षक पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कारण ही विभिन्न समाजों के समाजसेवी मध्यस्थता कार्य में

अपना समय देकर निस्वार्थ भावना से समाज को सामाजिक न्याय देने का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश श्री विवेक रूसिया ने कहा की हमारे मध्यस्थ साथी हमारी ताकत है जो पूर्णतः निस्वार्थ भावना से समय लगाकर सामाजिक सरोकार एवं राष्ट्रीयता की भावना से निरंतर इस कार्य को गति दे रहे हैं। हमारे द्वारा टूटे बिखरे रिश्तों को जोड़ने का एक अनोखा अभियान शुरू किया गया है जिसमें 5000 से अधिक विवादों का सफलतापूर्वक आउट ऑफ द कोर्ट समझौता कराया गया है। उन्होंने कहा मध्यस्थता के क्षेत्र में अनोखी पहल करते हुए मूकबधिर समाजजनों को भी मध्यस्थता प्रशिक्षण दिया और उन्हें भी मध्यस्थता से जोड़ा गया है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उच्च न्यायालय इंदौर खण्डपीठ के प्रशासनिक न्यायाधीपति श्री विजय कुमार शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि मध्यस्थता का इंदौर मॉडल पूरे भारत में अपनी एक अलग पहचान रखता है और इस समय की एक महती जरूरत बताया।

इस अवसर पर सामुदायिक मध्यस्थता के प्रशिक्षक एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ मोहम्मद शमीम ने कहा कि उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश के माध्यम से हमने समाज को सही दिशा में न्याय मिले सकें, इस पहल को आगे बढ़ते हुए सभी धर्म/समाज के 120 प्रमुखों को प्रशिक्षित किया है। इंदौर में 25 सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र संचालित किया जा रहे हैं एवं कलेक्टर कार्यालय और पुलिस कमिश्नर कार्यालय में भी यह केंद्र सफलतापूर्वक संचालित किये जा रहे हैं उक्त जानकारी देते हुए मध्यस्थता समूह प्रमुख ने बताया कि समूह के इस समारोह में विशिष्ट आतिथि के उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश गण, कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, जिला जज, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, केंद्रीय एवं राज्य शासन के शासकीय अधिवक्तागण एवं बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण शामिल रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सर्वश्री प्रताप करोसिया, प्रवीण निखरा, एजाज शेख , हेमराज वाडिया कैलाश चौधरी, अमजद बेलिम, राजेश लोहिया, जहांगीर खान, शफ़ी शेख़, क़ाजी इशरत अली, संजय बांकरा, विजय तिलवे, रमेश गोमें, मदनलाल मिमरोट, दीप्ति शेरे, मोसम वाडिया, क़ासिम अली, आदित्य पंडित, रेणु बरकाटिया, अभय बरकतिया, तुलसीराम सिलावट, गणेश वर्मा, नवीन चौधरी, ओमप्रकाश धीमान, कैलाश चंद्र चौधरी, कुलदीप सिंह पंवार, इस्माइल लहरी, अब्दुल हमीद, अमानुल्लाह सिद्दीक़ी, मंजीत सिंह सलूजा, किशोर कोडवानी, राजेश करोसिया, पुरुषोत्तम यादव ने किया तथा विशेष रूप से मध्यस्थता के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीमती प्रीति रूसिया, श्रीमती नीलम अभ्यंकर, श्रीमती पारुल वर्मा को भी पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम का सफल संचालन श्री नरोत्तम माहेश्वरी द्वारा किया गया अंत में आभार प्रवीण निखरा द्वारा प्रकट किया गया।

पांच दिनी सनातन जागृति पदयात्रा 17 मई से

संस्कृति, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में पहली बार सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को केंद्र में रखकर "सनातन जागृति पदयात्रा" का आयोजन किया जा रहा है। यह पदयात्रा 17 से 21 मई तक निकाली जाएगी। इसके माध्यम से सनातन संस्कृति, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनजागरूकता लाने का संदेश दिया जाएगा।

पहले दिन का आयोजन तेजाजी नगर स्थित श्री सिद्धेश्वर धाम स्वामी अतुलानंद सरस्वती के सानिध्य में होगा। यहां से शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक सनातन जागृति पदयात्रा जाएगी, जो तीन इमली तक जाएगी। 18 मई इसी समय तीन इमली चौराहा से रोबोट चौराहा तक यात्रा जाएगी। 19 मई को रोबोट चौराहा से मरीमाता चौराहा, 20 मई को मरीमाता चौराहा से हंसराज मठ तक जाएगी। आखिरी दिन 21 मई को हंसराज मठ से निकलकर दशहरा मैदान जाएगी जहां समापन होगा। इस दौरान संत-महात्मा और सामाजिक कार्यकर्ता लोगों को जीवन से जुड़े मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करेंगे।

स्वामी अतुलानंद सरस्वती ने बताया कि सनातन जागृति पदयात्रा का संदेश संस्कृति का संरक्षण, गौसेवा, जीव हत्या पर रोक, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता और युवाओं को नशे से दूर रखने की पहल है। आयोजकों के अनुसार वर्तमान समय में युवा पीढ़ी तेजी से पाश्चात्य जीवनशैली की ओर आकर्षित हो रही है, जिससे भारतीय संस्कृति और मूल्यों का क्षरण हो रहा है।

छेड़छाड़ का विरोध किया तो चाकू मारा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया में गुरुवार रात एक बदमाश द्वारा की जा रही छेड़छाड़ का विरोध करना महिला के पति को भारी पड़ गया। आरोपी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने रात में पीड़ित का मेडिकल कराया है। पुलिस के मुताबिक, लसूड़िया तालाब के पास लक्की नाम के बदमाश ने एक महिला के साथ छेड़छाड़ की। इस मामले में महिला के पति प्रिंस ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे चाकू मार दिया। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और उसकी तलाश की जा रही है।

आईटीआई में आयोजित कैंपस में 40 प्रतिभागियों का एलएनटी मुंबई कंपनी में चयन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शासकीय संभागीय आईटीआई नंदा नगर इंदौर में एलएनटी मुंबई कंपनी का कैंपस आयोजित किया गया। जिसमें 50 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। जिनमें से 40 प्रतिभागियों का फाइनल रूप से चयन किया गया। इस कैंपस में प्राचार्य श्रीमती रीना सोलंकी, जूनियर अप्रेंटिसशिप एडवाइजर श्री विपिन पुरोहित, टीपीओ श्री हरीश कुमार उईके उपस्थित थे।

बीआरटीएस हटा तो ब्रिज निर्माण ने घेर ली जगह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में भले ही नगर निगम ने बीआरटीएस कॉरिडोर को हटा दिया हो, लेकिन शहर के कई हिस्सों में ट्रैफिक की समस्या अभी भी जस की तस बनी हुई है। खासकर जहां ब्रिज निर्माण का काम चल रहा है, वहां सड़कों के संकरे होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया ने गुरुवार देर शाम पीक टाइम में ग्राउंड रिपोर्ट की। टीम ने निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक का सफर तय किया, जिसमें करीब 45 मिनट का समय लगा। बीआरटीएस हटने के बाद कई जगह सड़कें चौड़ी हो गई हैं, लेकिन जहां एलिवेटेड ब्रिज का काम चल रहा है, वहां हालात उलट हैं। निरंजनपुर चौराहे पर निर्माण कार्य के चलते दोनों तरफ बैरिकेडिंग कर दी गई है, जिससे सड़क संकरी हो गई है। यहां से दोपहिया और चारपहिया वाहनों को निकलने में दिक्कत हो रही है।

इंजीनियर को लूटने की कोशिश चाकू निकालकर धमकाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर इलाके में एक इंजीनियर को लूटने की कोशिश का मामला सामने आया है। बदमाशों ने चाकू निकालकर युवक को धमकाया, लेकिन वह एक्टिवा छोड़कर मौके से भाग निकला। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

घटना हीरानगर के कारसदेव नगर क्षेत्र की बताई जा रही है। यहां रहने वाले शिवम चतुर्वेदी एक दवा कंपनी में इंजीनियर हैं। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे वे अपनी एक्टिवा से पोलोग्राउंड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में खड़े बदमाशों ने उन्हें रुकने का इशारा किया। शिवम जैसे ही रुके, बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने चाकू निकाल लिया। खतरा भांपते ही शिवम एक्टिवा छोड़कर सड़क पर दौड़ पड़े और अपनी जान बचाई। इस बीच बदमाश उनकी एक्टिवा लेकर भाग निकले। कुछ देर बाद बदमाश फिर बाइक लेकर मौके पर लौटे, लेकिन तब तक शिवम गली के रास्ते अपने घर की ओर भाग चुके थे। घर पहुंचकर उन्होंने परिवार को पूरी घटना की जानकारी दी। परिजनों के मुताबिक शिवम की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। घटना के समय उनके पास मोबाइल और गले में सोने की चेन भी थी, जिसे बदमाश लूटने की फिराक में थे।

मंत्री श्री सिलावट ने नवनिर्मित हॉस्पिटल का किया अवलोकन

हॉस्पिटल से 25 गांवों के 50 हजार लोगों को मिलेगा लाभ

- मंत्री श्री सिलावट ने हॉस्पिटल का निर्माण गुणवत्ता के साथ अतिशीघ्र पूर्ण करने के दिये निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शुक्रवार को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावटजी ने सांवेर विधानसभा के ग्राम पंचायत पिवडाय में 10 करोड की लागत से निर्माणाधीन 50 बेड के हॉस्पिटल का अवलोकन किया।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक और किसानों हितैषी कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, आज सांवेर के ग्राम पंचायत पिवडाय में लगभग 10 करोड़ की लागत से 50 बेड का अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त हास्पीटल का निर्माण हो रहा

है। इस हास्पीटल के निर्माण हो जाने से लगभग 25 से अधिक ग्रामों के 50 हजार लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होगी। इस हास्पीटल में प्रसूति, 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा के साथ ही 50 मरीजों को भर्ती कर स्वास्थ्य लाभ देने की योजना है। अवलोकन के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को हास्पीटल में मूलभूत सुविधाओं के साथ ही लिफ्ट, फर्नीचर, एसी सुविधा और खुले मैदान में गार्डन का निर्माण करने निर्देश दिये।

इस अवसर पर डॉ. सुमीत शुक्ला, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी माधव हासानी, बीएमओ डॉ. आदित्य चौरसिया, डॉ. संतोष सिसौदिया, डॉ. जाख्या सैयद, हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री राजकुमार, जिला पंचायत सदस्य ब्रजमोहन राठी. रवि दुबे, मंडल अध्यक्ष विष्णु चौधरी, सरपंच ओमप्रकाश पटेल, माखन गोखले. सुरेश टेलर, इंजीनियर व ठेकेदार मौजूद रहे।

सस्पेंड पुलिसकर्मियों ने सुलझा दी हत्या की गुत्थी

इंदौर। लसूड़िया में 17 अप्रैल को 45 साल के एक शख्स का शव मिला था। उसका सिर कुचलकर हत्या की गई थी। इस हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। शराब दुकान से शराब लेने के बाद युवक ने साथ में शराब पीने की जिद की थी, जिस पर आरोपी ने उसे पत्थर मारकर मौत के घाट उतार दिया।

डीसीपी कुमार प्रतीक ने बताया कि स्कीम नंबर 136 में अज्ञात शव मिला था। उसकी पहचान कड़वा जी पुत्र राजाराम दगोड़ के रूप में हुई, जो खरगोन के भीकनगांव का रहने वाला था। वह लाहिया कॉलोनी, हीरानगर में किराये से रहकर मजदूरी का काम करता था। उसकी हत्या के मामले में पुलिस ने प्रमोद पुत्र फूलचंद वेद्य को पकड़ा है। प्रमोद भी मजदूरी के काम से जुड़ा है। जानकारी में सामने आया कि 16 अप्रैल की रात उसने एमआर-10 की शराब दुकान से शराब ली थी। कड़वा वहां मिल गया और शराब पिलाने के लिए जिद करने लगा। इसके बाद उसने अपशब्द कहे। बाद में गुस्से में उसे गाड़ी पर बैठाकर साथ ले गया। वहां नशे की हालत में उसे बाइक से गिराकर सिर पर ब्लॉक मारकर उसकी हत्या कर दी। शराब दुकान के सीसीटीवी में आरोपी प्रमोद अपने साथ कड़वा को ले जाते हुए दिखा था। इस मामले में थाने से हटाए गए एसआई संजय विश्नाई, प्रणीत भदौरिया, दिनेश गुर्जर और रविन्द्र भदौरिया ने हटने के बाद भी लगातार हत्याकांड से पर्दा उठाने के लिए मेहनत की। पुलिस अफसरों ने इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में उन्हें शामिल किया था।

बेटे ने पिता पर किया चाकू से हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मल्हारगंज इलाके में एक बेटे ने अपने ही पिता की गर्दन पर वार कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। यहां घायल पिता के बयान लिए गए, इसके बाद आरोपी बेटे पर एफआईआर दर्ज की गई। मल्हारगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घायल रमेश कुमार नीमा, निवासी प्रजापतपुरा कुम्हार मोहल्ला है। पुलिस के अनुसार, बुधवार-गुरुवार की रात यूनिक अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस रमेश कुमार के बयान लेने पहुंची थी। रमेश ने बताया कि उनका बेटा जयंत उर्फ मोनू शराब के नशे में देर रात घर पहुंचा। इसके बाद वह उन्हें और पत्नी मधु को अपशब्द कहने लगा। जब उसे रोका गया तो उसने अचानक गर्दन और गले पर चाकू से वार कर दिया। इस दौरान दोनों बेटियों ने बचाव किया और उन्हें नजदीक के निजी अस्पताल लेकर पहुंचीं। यहां अधिक खून बहने के चलते डॉक्टरों ने दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद गले और गाल की सर्जरी की गई। रमेशचंद नीमा के मुताबिक, बेटे से उनकी जान को खतरा है। पुलिस ने बयान के आधार पर आरोपी बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

ड्रिंक एंड ड्राइव में इंदौर पुलिस ने तोड़े रिकॉर्ड

शराबियों के 37 करोड़ रुपये के चालान कटे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। हालांकि, लगातार जारी सख्ती के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों की संख्या में गिरावट नहीं देखी जा रही है। इंदौर पुलिस द्वारा संचालित विशेष अभियान के तहत बीते सवा साल के भीतर की गई कार्रवाई ने अब तक के सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं।

प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के माध्यम से सरकारी खजाने में 37 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा होने की स्थिति बन गई है। इंदौर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और नशे की हालत में होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पिछले डेढ़ वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, जनवरी

2025 से लेकर 19 अप्रैल 2026 के मध्य कुल 37,658 चालान काटे गए हैं। मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के तहत न्यूनतम 10 हजार रुपये प्रति चालान की दर से यह कुल राशि 37 करोड़ रुपए से ऊपर निकल गई है। आंकड़ों में एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि वर्ष 2025 में कुल 23,049 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि वर्ष 2026 के शुरुआती साढ़े तीन महीनों में ही चालानों की संख्या 14,609 तक पहुंच चुकी है। यह दर्शाता है कि पुलिस की कड़े रुख के बाद भी वाहन चालक अपनी आदतों में सुधार नहीं कर रहे हैं। अगर केवल मौजूदा वर्ष 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें, तो मात्र साढ़े तीन महीने की अवधि में पुलिस ने पिछले दो वर्षों के संयुक्त आंकड़ों से भी अधिक चालान बना दिए हैं। 1 जनवरी 2026 से 19 अप्रैल 2026 के बीच ही ड्रिंक एंड ड्राइव के 14,609 मामले सामने आए हैं। यह गति बताती है कि शहर की सड़कों पर देर रात चेकिंग कितनी सघन कर दी गई है।

मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कड़े प्रावधान

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई की जाती है। इस नियम के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की सांस में अल्कोहल की मात्रा 30एमजी/100एमएल से अधिक पाई जाती है, तो वह दंड का पात्र होता है। पहली बार पकड़े जाने पर आरोपी को 6 माह तक की जेल और 10,000 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। वहीं दूसरी बार अपराध दोहराने पर जेल की अवधि 2 वर्ष तक और जुर्माना 15,000 से 30,000 रुपए तक हो सकता है। पकड़े गए वाहनों को छुड़वाने के लिए न्यायालय में सुपुर्दगीनामा पेश करना होता है, जिस पर अंतिम निर्णय कोर्ट का होता है।

सड़कों पर की जाने वाली इस कार्रवाई के दौरान अक्सर विवाद की स्थितियां निर्मित होती हैं। पकड़े जाने पर कई वाहन चालक खुद को बचाने के लिए रसूखदार नेताओं या वरिष्ठ अधिकारियों से फोन पर बात करवाने का प्रयास करते हैं। कई मौकों पर राजनेता अपने समर्थकों को छुड़ाने के लिए स्वयं चेकिंग पॉइंट पर पहुंच जाते हैं, जिससे पुलिस और नागरिकों के बीच तीखी बहस होती है। ऐसे विवादों के वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर प्रसारित होते रहते हैं।

फोन कर 15 लाख की फिरौती मांगी थी...

पुलिस ने सात घंटे में अगवा बच्चों को ढूंढा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पुलिस ने तिरुपति गार्डन से अगवा दोनों बच्चों को गुरुवार देर रात करीब दो बजे सुरक्षित बरामद कर लिया। मामले में एक दंपती, एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया गया है। युवक-युवती आपस में भाई-बहन हैं।

नैतिक सोनकर (9) और सम्राट (11) गुरुवार शाम करीब 7 बजे लापता हो गए थे। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक युवती उन्हें अपने साथ ले जाते हुए दिखी थी। बच्चों के दादा पूनमचंद जयदेव ने पुलिस को बताया था कि एक महिला ने वीडियो कॉल के जरिए 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी है। इसके बाद फोन बंद हो गया।

सूचना मिलते ही टीआई सुरेंद्र रघुवंशी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बच्चों को तलाशने में संयोगितागंज, बड़ी ग्वालटोली, राजेंद्र नगर, द्वारकापुरी, तुकोगंज और पलासिया थाने की टीमों को लगाया। जिस नंबर से बच्चों के दादा को फोन आया था, उसे सर्विलांस पर डाला। इसकी लोकेशन निकालकर बच्चों को राजेंद्र नगर के दत्त नगर में एक बिल्डिंग से बरामद कर लिया।

ये आरोपी गिरफ्तार

1. विनीत पिता राजेश (22 वर्ष) निवासी तिलक नगर
2. राधिका पिता राजेश (18 वर्ष) निवासी सहकार नगर
3. ललित पिता दशरथ सेन (21 वर्ष) निवासी दत्त नगर
4. तनीषा पति ललित (21 वर्ष) निवासी सदर

एसीपी तुषार सिंह ने बताया- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखकर आरोपी लड़की के रूट की पहचान की। जिस नंबर से फिरौती का फोन आया था, उसे सर्विलांस पर डाला। मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया। सभी आरोपी आपस में वॉट्सएप पर चैटिंग कर रहे थे। इनमें से एक नंबर से ही वॉट्सएप कॉल करके उन्होंने 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। इस नंबर को पुलिस ने सर्विलांस पर लगाकर लोकेशन पता कर ली। बच्चों को दत्त नगर की एक बिल्डिंग में रखा गया था। हम बहुत ही सावधानी से वहां पहुंचे। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने भागने की कोशिश की लेकिन हमने उन्हें पकड़ लिया। एसीपी सिंह ने बताया- आरोपियों में भाई-बहन राधिका और विनीत समेत पति-पत्नी ललित और तनीषा शामिल हैं। तनीषा बच्चों को अपने साथ लेकर गई थी। वह राधिका की सहेली है। आरोपियों ने बच्चों को किसी तरह की चोट या नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। दोनों का मेडिकल परीक्षण भी करा लिया गया है। नैतिक के पिता जूस का ठेला लगाते हैं, जबकि सम्राट के पिता ढोलक बजाने का काम करते हैं। नैतिक के चाचा राहुल सोनकर ने कहा कि दोनों बच्चे शाम करीब 6 बजे तिरुपति गार्डन में क्रिकेट खेल रहे थे। जब दादी उन्हें देखने पहुंचीं, तो दोनों वहां नहीं मिले। उन्होंने कहा- आरोपी लड़की बच्चों को पक्षी-जानवर दिखाने के बहाने ले गई थी। सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

प्रदेश में सहकार से हो रहा है डेयरी गतिविधियों का विस्तार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को किया जाए प्रोत्साहित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक है। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है और किसानों को भी दूध के बेहतर दाम मिल रहे हैं। सहकार के भाव से डेयरी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी सहकारी कवरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, नई डेयरी प्रसंस्करण, उत्पाद निर्माण और पशु चारा संयंत्र के आधुनिकीकरण, डेयरी वैल्यू चैन के डिजीट्लाइजेशन, पारदर्शिता और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। डेयरी विकास योजना के अंतर्गत 26 हजार गांवो को जोड़ने, प्रतिदिन दुग्ध संकलन 52 लाख किलोग्राम तक करने का लक्ष्य रख, गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये निर्देश मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की द्वितीय बैठक में दिए। मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में हुई बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री श्री लखन पटेल, वरिष्ठ विधायक तथा वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अध्यक्ष नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड श्री मीनेष शाह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दुग्ध क्षेत्र में अनुभव का लाभ राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए। दूध और दुग्ध उत्पादों के बिक्री में सुधार के लिए ब्राण्ड सुदृढ़ीकरण और नई पैकेजिंग डिजाइन कर उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुग्ध उत्पादन में वद्धि और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण के लिए किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों तथा प्रदेश के युवाओं को डेयरी टेक्नोलॉजी की नई तकनीकों से परिचित कराने की भी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श पशुपालकों को सम्मानित करने, दूधारू पशुओं की प्रदर्शनी आयोजित करने और डेयरी के संबंध में सूचना सम्प्रेषण के लिए जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में दूध की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादन में हानि को कम करने और एक समान उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। इंदौर में स्थापित 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र आरंभ किया जा चुका है। शिवपुरी में 20 हजार लीटर क्षमता के डेयरी संयंत्र और ग्वालियर डेयरी संयंत्र के सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। पशु आहार संयंत्रों की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के लिए विशेष व्यवस्था लागू की गई है। पीपीपी मोड पर भी प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास श्री उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी. पी. आहूजा, सहित राज्य सरकार और एनडीडीबी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र की होगी जांच

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मप्र की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र विवाद में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सीधे जांच के आदेश देने के बजाय मामले को हाई लेवल कास्ट स्क्रूटनी कमेटी के पास भेजते हुए उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फैसला करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कमेटी 60 दिन के भीतर प्रमाण पत्र की वैधता पर निर्णय ले। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता प्रदीप अहिरवार की शिकायत पर 31 मार्च 2025 को दिए गए आवेदन के आधार पर कमेटी सुनवाई करेगी और संबंधित पक्ष (प्रतिवादी क्रमांक-3) को सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाएगा।

महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक ले रही थी रिश्वत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर राज्य में भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में एक महिला शासकीय सेवक रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ी गई है, लोकायुक्त पुलिस इंदौर की टीम ने महिला कर्मचारी एक विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर जाँच में ले लिया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद लोकायुक्त डीजी योगेश देशमुख लगातार विभागीय अधिकारियों को पैनी नजर रखने के निर्देश देते रहते हैं ताकि कोई रिश्वतखोर बच नहीं पाए, विभाग का स्टाफ भी शिकायत मिलने के बाद तत्काल सत्यापन करता है और घूसखोर को रंगे हाथ पकड़ लेता है। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय इंदौर से मिली जानकारी के अनुसार खंडवा जिले की ग्राम पलास्पुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किरन वाड़िबाने एक शिकायती आवेदन दिया था जिसमें महिला बाल विकास विभाग खंडवा सेक्टर -लखनपुर बंदी की पर्यवेक्षक श्रीमती संतोष कोचले पर रिश्वत मांगने के आरोप लगाये थे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किरन वाड़िबा ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर कार्यरत है और उसकी नियुक्ति एक बदले पर्यवेक्षक श्रीमती संतोष कोचले ने 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की है, शिकायत मिलने पर एसपी लोकायुक्त इंदौर राजेश सहाय के निर्देश पर इसका सत्यापन कराया गया। सत्यापन में रिश्वत लेने की बात सही साबित हुई और आज 4000/- रुपये देने की बात तय हुई, तत्काल ट्रैप दल गठित किया गया और खंडवा रवाना हुआ, टीम ने जाल बिछाते हुए आरोपी पर्यवेक्षक श्रीमती संतोष कोचले को ग्राम पंचायत रोशनी में 4000/- रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

पानी में रील बनाना पड़ा भारी, नहर में डूबी एक ही परिवार की तीन बेटियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। बरगी थाना क्षेत्र के सालीवाड़ा गांव में हुए दर्दनाक हादसे में तीसरी लड़की का शव भी 24 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। शुक्रवार को कोसमघाट निवासी तनु पटेल (18) का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर नहर में मिला। इससे पहले गुरुवार को रिश्ते की उसकी दो अन्य बहनों के शव मिल चुके थे। रिश्ते में आपस की तीनों बहनें सालीवाड़ा निवासी पटेल परिवार के घर पर शादी समारोह में शामिल होने आई थीं।

वे गुरुवार सुबह करीब 11 बजे रिश्ते की बहनें सृष्टि और निहारिका पटेल के साथ नहर किनारे पहुंचीं। चार लड़कियां नहाने के लिए पानी में उतरीं, जबकि एक लड़की (सृष्टि) किनारे से मोबाइल पर रील बना रही थी। इसी दौरान नहर के तेज बहाव ने चारों को अपनी चपेट में ले लिया। सृष्टि ने साहस दिखाते हुए निहारिका को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन तीन अन्य बहनें बह गईं। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और होमगार्ड के गोताखोर मौके पर पहुंचे और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद शास्त्री नगर निवासी शीतल पटेल (20) और गौर कटियाघाट निवासी सानिया (10) के शव घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बरामद किए गए। तनु पटेल की तलाश जारी थी, उसका गुरुवार की देर शाम तक पता नहीं चला। पुलिस और होमगार्ड ने शुक्रवार को सुबह फिर से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इसी दौरान दोपहर में तनु का शव नहर में मिला। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शवों को स्वजन को सौंप दिया है। तीनों का शुक्रवार को अलग-अलग अंतिम संस्कार हुआ। घटना से तीनों बेटियों के स्वजन स्तब्ध हैं। स्वजन ने बताया कि शीतल ने फार्मेसी की पढ़ाई की थी और उसका जल्द ही विवाह होने वाला था। तनु ने हाल ही में हायर सेकेंडरी की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और वह चिकित्सक बनना चाहती थी। मासूम सानिया को खोने से उसके माता-पिता विचलित थे। घटना के बाद माता-पिता और स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल था।

जानवरों की चर्बी से बनाया घी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले में मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर के नेतृत्व में प्रशासन ने अवैध घी फैक्ट्री पर छापेमारी की। इस दौरान जानवरों की चर्बी मिलाकर तैयार किया गया करीब 3,350 लीटर घी बरामद हुआ। यह घी 69 टीन के डिब्बों और 9 नीले ड्रमों में भरा था। इमलीपुरा स्थित बेगम पार्क के पास मौजूद फैक्ट्री पर छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में जानवरों की चर्बी और मवेशियों की खाल बरामद हुई। खाल की थप्पियां फैक्ट्री परिसर में जमा थीं। प्रशासन ने पूरा मटेरियल जब्त कर नगर निगम के चार ट्रकों में भरकर सुरक्षित किया। इसके अलावा तीन ट्रकों में मवेशियों के अवशेष भी बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ जारी है। यह अवैध फैक्ट्री साल 2015 से संचालित हो रही थी।

क्रेशर खदान में 3 युवक डूबे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र के ग्राम गुड़ा के पास स्थित क्रेशर की खदान नहाते समय 3 युवक डूब गए। साथियों ने डूबते देखा तो बचाने की कोशिश की लेकिन बचा नहीं पाए। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। टीम ने सर्चिंग कर अब तक एक शव निकाल लिया है। मृतक की पहचान अभिषेक उर्फ अध्धा 20 साल निवासी कैंट क्षेत्र के रूप में हुई है। उसके दो साथी तनिश कोरी उम्र 19 साल और तेजराम पटेल उम्र 20 साल पानी में डूबे हैं। जिनकी सर्चिंग की जा रही है। घटना के समय मौके पर 4 युवक थे, जिनमें से 3 डूबे थे।

संपादकीय

प्रत्यर्पण पर केंद्र की चुप्पी पर शीर्ष अदालत सख्त: 'यह अंतिम अवसर है'

सुप्रीम कोर्ट ने बांग्लादेश प्रत्यर्पित किए गए कुछ लोगों को वापस लाने संबंधी एक याचिका पर रुख स्पष्ट करने के लिए केंद्र सरकार को शुक्रवार को अंतिम अवसर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश वकील से इस मुद्दे पर निर्देश लेकर शीर्ष अदालत को अवगत कराने को कहा। आपको बता दें कि भोदू शेख की गर्भवती बेटी को बांग्लादेश भेज दिया गया था। शेख की ओर से पेश सीनिर वकील कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने कहा कि इस मामले में केंद्र का अदालत को अपने विचारों से अवगत न कराना ''कुछ हद तक अनुचित'' है। चीफ जस्टिस ने कहा कि वह केंद्र को आखिरी मौका दे रहे हैं और यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो पीठ अंतिम सुनवाई करेगी। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि इस याचिका को शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने पिछले वर्ष तीन दिसंबर को ''मानवीय आधार'' पर एक गर्भवती महिला और उसके आठ वर्षीय बच्चे को भारत में प्रवेश की अनुमति दी थी। उन्हें कुछ महीने पहले बांग्लादेश भेज दिया गया था। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को नाबालिग की देखभाल करने का निर्देश दिया था और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती महिला सुनाली खातून को प्रसव सहित सभी आवश्यक चिकित्सा सहायता निःशुल्क उपलब्ध कराने को कहा था। कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील को भी दर्ज किया कि सक्षम प्राधिकारी ने केवल मानवीय आधार पर महिला और उसके बच्चे को देश में प्रवेश की अनुमति देने पर सहमति जताई है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। शीर्ष अदालत केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 26 सितंबर 2025 के कलकत्ता हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी गई थी। उस आदेश में सुनाली खातून और अन्य को बांग्लादेश भेजने के केंद्र सरकार के फैसले को ''अवैध'' करार देते हुए रद्द कर दिया गया था।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

अनुभव

मेरे स्वामी को एक साल की सजा मिली है। उनका अपराध सिर्फ इतना था कि तीन रोज पहले जेठ की तेज गर्मी में उन्होंने कई राष्ट्र सेवकों की पानी व शर्बत के साथ खातिरदारी की थी। मैं उस दौरान कोर्ट में खड़ी थी। ऐसा लग रहा था मानो कमरे से बाहर खड़े शहर की सभी राजनीतिक चेतना किसी बंदी पशु की तरह जोर जोर से चीख रही हो। मेरे स्वामी बेड़ियों से बंधे हुए लाए गए। इस दौरान हर तरफ सन्नाटा पसर गया, लेकिन मेरे मन में कुहराम मचा हुआ था।

क्रोध का आवेश मन ही मन फूटकर बाहर आना चाह रहा था। मुझे इतना गुमान कभी नहीं महसूस हुआ था। सामने कुर्सी पर बैठा अंग्रेज जज व उसके बगल में खड़े लाल रंग की पगड़ी बांधे पुलिस अफसर सभी मुझे नीच दिख रहे थे। बस यही मन कर रहा था कि तुरंत दौड़कर अपने स्वामी के पैरों में गिर जाऊं और वहीं प्राण त्याग दूं। कभी शांत, कभी चंचल तो कभी आत्मसम्मान से भरी मूर्ति सी दिख रही थी मैं। मेरे मुख पर किसी तरह का अफसोस या ग्लानि नहीं झलक रही थी। किसी की सेवा को अपराध करार देना व उसके एक साल की जेल की सजा सुनाना। गजब की न्याय व्यवस्था है।

ऐसे में तो मैं सौ बार ये गुनाह करने को तैयार हूं। मेरे स्वामी जाने लगे और जाते वक्त मेरी ओर देखकर मुस्कुराएं और फिर आगे बढ़ गए। कोर्ट से बाहर आकर मैंने 5 रुपये की मिठाई खरीदी और कुछ राष्ट्रीय सेवकों को आमंत्रित कर मिठाई खिलाया। उसी दिन शाम होते ही मैं पहली बार कांग्रेस के जलसे में शामिल होने से खुद को रोक न सकी। यही नहीं मैंने मंच पर जाकर भाषण भी दिया। अंदर द्वेष इतना भरा था कि सत्याग्रह का प्रण भी ले लिया। उस समय मेरे अंदर इतनी शक्ति कहां से आ गई मुझे खुद भी पता नहीं चला, लेकिन हां सब कुछ न्योछावर हो जाने के बाद अब किस बात का डर था। भगवान का कठिन से कठिन प्रहार भी अब मेरा क्या ही बिगाड़ सकता था?

अगले दिन मैनें पिताजी व ससुरजी के लिए दो पत्र लिखें। ससुरजी को पेंशन मिलती थी और पिताजी जंगल के महकमे में अच्छे पोस्ट पर आसीन थे। परंतु अफसोस की सारा दिन बीत जाने के बावजूद कोई जवाब नहीं आया। उसके अगले दिन भी किसी का खत नहीं आया, लेकिन तीसरे रोज दोनों लोगों का जवाब आया। ससुरजी ने पत्र में लिखा था कि मुझे लगा था कि वृद्धावस्था में तुम दोनों मेरा सहारा बनोगे, लेकिन अब कोई फायदा नहीं। तुम दोनों ने मेरी आस पर पानी फेर दिया। मुझे सरकार से पेंशन मिलती है, लेकिन तुम्हें अपने यहां रखकर मैं इस पेंशन को नहीं खोना चाहता।

पिताजी के पत्र में भी कुछ ऐसा ही कठोर जवाब सुनने को मिला। पिताजी को इसी वर्ष ग्रेड मिलने वाला था, परंतु अगर वो मुझे अपने पास बुलाते, तो उन्हें ग्रेड से हाथ धोना पड़ता। ऐसे में वो मेरी मौखिक रूप से मदद करने के लिए तैयार थे। मेरा मन दुखी हुआ और मैने इन दोनों खत को जला दिया व उसके बाद उन्हें और कोई खत नहीं लिखा। इसे ही कहते हैं स्वार्थ, जिसका प्रभाव इतना प्रबल होता है कि वक्त पर अपनी संतान भी नहीं नजर आती। ससुर व पिता दोनों ने मुंह फेर लिया। लेकिन अभी मेरी आयु ही क्या है, अभी तो मुझे दुनिया देखनी है!

इतने में किसी ने बाहर मेरे दरवाजे की कुंडी खटखटाते मुझे आवाज दी। मैं सहम गई, मेरे रौंगटे खड़े हो गए। मैं दरवाजे पर कान लगाकर सुनने की कोशिश कर रही थी कि कहीं वो बदमाश तो नहीं। फिर मैनें कठोर आवाज में कहा कौन है? क्या काम है? बाबू ज्ञानचंद की आवाज सुनकर मैं थोड़ी शांत हुई। ये मेरे स्वामी के सबसे अच्छे मित्र हैं। उनके साथ एक महिला भी आई थी। वह उनकी पत्नी थी।

पहली बार वो मेरे घर आईं, मैने उन्हें आदर भाव से प्रणाम कर अंदर बुलाया। ये दोनों ऊपर आकर बैठे व बेहद ही दरियादिल से मुझे संतावना देने लगे। उनकी पत्नी के विचार देखकर मुझे ये समझ आ गया कि वो एक सशक्त महिला है। उनके चेहरे से ही उनकी प्रतिभा झलक रही थी। दोहरी कदकाठी के साथ चेहरे पर रोब व जेवरों से लदी किसी महारानी से कम नहीं लग रही थी। खास बात तो ये थी कि बाहर से वो जितनी ही कठोर दिख रही थी अंदर से उतनी ही करुणा से भरी हुई थी।

उनसे बातचीत शुरू हुई, ज्ञान जी की पत्नी- ''क्या घर पर किसी को खत लिखा ?''

मैंने कहा- ''हां।''

ज्ञान जी की पत्नी- ''कोई घर से लेने आ रहा ?''

मैंने कहा- ''नहीं, पिताजी व ससुरजी में से कोई मुझे अपने साथ रखने को तैयार नहीं है।''

ज्ञान जी की पत्नी- ''तो फिर आगे क्या करने का सोचा है?''

मैंने कहा- ''फिलहाल के लिए तो यही पर हूं।''

ज्ञान जी की पत्नी- ''हम लोगों के साथ हमारे घर क्यों नहीं चल रही हो? अकेले मैं तुम्हें यहां नहीं रहने दूंगी।''

इस दौरान खुफिया के दूत घर के बाहर डटे हुए हैं। मुझे आशंका हो गई थी कि ये खुफिया के दूत ही होंगे। ज्ञान जी ने अपनी पत्नी की ओर देखा और पूछा मैं तांगा ले आऊं? ज्ञान जी की पत्नी ने इशारे में ही आज्ञा दे दी, ज्ञान जी तुरंत द्वार की तरफ चले। तभी ज्ञान जी की पत्नी ने बोला- ''रुको, कितने तांगे लेकर आओगे।''

ज्ञान जी घबरा कर बोले- ''कितने?''

ज्ञान जी की पत्नी- ''हां कितने, एक तांगे पर सिर्फ तीन लोग ही बैठ सकते हैं, बाकी के सामान बिस्तर, बर्तन आदि कैसे जाएंगे ?''

ज्ञान जी- ''फिर दो ले आऊं, ज्ञान जी बोले।''

ज्ञान जी की पत्नी- ''एक तांगे पर कितना सामान जाएगा ?''

ज्ञान जी- ''फिर ठीक है तीन ले आता हूं?''

ज्ञान जी की पत्नी- ''हां, तो जाओ भी अब इतनी देर क्यों कर रहे हो।''

जब तक मैं कुछ कहती तब तक ज्ञान जी निकल गए। मैनें संकोचते हुए उनकी पत्नी से कहा, ''मेरे आने से आपको तकलीफ होगी।''

कठोर वाणी में ज्ञान जी की पत्नी ने बोला- ''हां, तकलीफ तो होगी, तुम किलो भर आटा खाओगी, घर का एक जगह भी घेर लोगी ये सब क्या कम कष्ट है।''

इतना सुनकर मैंने कहा- ''क्या बहन आप भी।''

उनकी पत्नी ने मेरा कंधे पर हाथ रखकर बोला, ''जब तुम्हारे स्वामी वापस आ जाए, तो मुझे अपने घर में रख लेना। हिसाब बराबर हो जाएगा। अब ठीक है ना, तो चलो सारा सामान बांध लो।''

ये सब देखकर बिल्कुल सपने जैसा लग रहा था, इतनी उदार स्त्री मैंने आजतक नहीं देखी थी। मुझे उनमें बड़ी बहन दिख रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे क्रोध व चिंता जैसी चीजों पर उन्होने काबू पा लिया है। हर वक्त उनके मुख से मधुर वाणी निकलती थी जैसे मानों सरस्वती का वास हो। उनकी कोई संतान नहीं थी, लेकिन फिर भी वो दुखी नहीं थी। घर का काम वो स्वयं करती और बाहर के काम के लिए एक लड़का रख रखा था। आश्चर्य तो इस बात का था कि दिन भर मेहनत करने के बाद भी वो कभी आराम न करती। यही नहीं उनका आहार भी बेहद कम था। इतना ही नहीं दिन भर वो मुझे कुछ न कुछ खिलाने के लिए परेशान रहती। एक काम नहीं करने देती, बस यहां यही बुरा लगता था। मगर इनके घर कैसे एक सप्ताह गुजर गया पता तक नहीं चला। तभी मुझे एक दिन वो दूत यहां दिखाई दिए। उन्हें यहां देख मैं घबरा गई। मैंने सोचा ये मेरे पीछे यहां तक आ गए। तभी उन्होंने कहा कि कुत्ते हैं भौंकने के अलावा कुछ नहीं कर सकते। मैं मन ही मन चिंतित थी।

मैंने बोला- ''कुत्ते हैं, काट भी तो सकते हैं।''

ज्ञान जी की पत्नी ने कहा- ''तो क्या इनके डर से भागना नहीं चाहिए।''

मैं बार बार उनके बारे में सोचती, छज्जे से जाकर देखती तो वो बाहर नजर आते थे। हांथ धोकर ये मेरे पीछे पड़ गए थे। मन ही मन सोचती कि मैं इनका क्या बिगाड़ सकती हूं? आखिर मैं हूं ही क्या? क्या ये नहीं चाहते कि मैं यहां रहूं, पर ऐसा कर उन्हें क्या हासिल होगा ? ये सब सोचते हुए एक और सप्ताह बीत गया। उन दोनों दूत ने अपना डेरा वहीं जमा लिया था। ऐसे में मैं और ज्यादा बेचैन थी। किसी से कुछ कह भी नहीं सकती थी। एक रोज संध्या के वक्त ज्ञान जी घर आए, घबराए हुए नजर आ रहे थे। मैं बरामदे में सब्जी काट रही थी। ज्ञान जी सबसे पहले कमरे में गए और अपनी पत्नी को बुलाया। उनकी पत्नी ने कहा अरे अचानक से क्या हो गया, पहले हाथ मुंह धो लो कपड़े बदल लो, कुछ खाओ तब आराम से बैठकर बात करते हैं। उन्होने पत्नी से बात करने के लिए दोबारा आग्रह करते हुए कहा, 'तुम क्यों नहीं समझ रही, मेरी जान पर बन आई है।

फिर भी ज्ञान जी की पत्नी ने वहीं बैठे हुए कहा कि बात क्या है, बताते क्यों नहीं।

ज्ञान जी ने कहा- पहले इधर आओ।

इतने में मैं खुद वहां से दूर जाने लगी, तभी ज्ञान जी की पत्नी ने मुझे हाथ पकड़कर रोक लिया। मैं कोशिश करके भी उनसे हाथ नहीं छुड़ा पाई। ज्ञान जी मेरे सामने वो बात नहीं कहना चाहते थें, लेकिन उनसे इंतजार भी नहीं हो रहा था। उन्होने तुरंत कहा आज मेरे व प्रधानाचार्य के बीच झगड़ा हो गया।

पत्नी ने बड़े ही बनावटी शब्दों में कहा- ''क्या सच में, तब तो तुमने उन्हें खूब पीटा होगा ?''

ज्ञान जी- ''तुम्हें मजाक सूझ रहा है, यहां मेरी नौकरी आफत में है।''

पत्नी- ''जब इतना ही डर था, तो झगड़े क्यों?''

ज्ञान जी- ''मैं नहीं झगड़ा, उसने मुझे बुलाकर खूब सुनाया।''

पत्नी- ''बिना मतलब के?''

ज्ञान जी- ''अब क्या बताऊं।''

पत्नी- ''मैने कई बार बोला है ये मेरी बहन है। तुम इसके सामने सबकुछ बोल सकते हो।''

ज्ञान जी- ''अच्छा, पर जब बात इनके बारे में हो तो ?''

पत्नी ने कहा- ''मैं समझ गई, खुफियों से तुम्हारी अनबन हुई होगी और पुलिस ने तुम्हारे स्कूल में शिकायत कर दी होगी।''

ज्ञान जी सोचते हुए- ''नहीं ऐसा नहीं है, लेकिन पुलिस ने हाकिम जिला के यहां शिकायत की और उसने प्रधानाचार्य से। प्रधानाचार्य ने मुझसे जवाब मांगा है।''

पत्नी ने कहा- ''प्रधानाचार्य ने कहा होगा कि उस महिला को अपने घर से बाहर करो।''

ज्ञान जी- ''हां, कुछ ऐसा ही समझ लो।''

पत्नी- ''फिर तुमने क्या कहा?''

ज्ञान जी- ''फिलहाल मैने कुछ नहीं कहा है, वहां कुछ समझ नहीं आ रहा था।''

पत्नी ने गुस्से में कहा- ''जब तुम इसका जवाब जानते हो फिर सोचना कैसा?''

ज्ञान जी सहम कर बोले- ''मैं ऐसे अचानक कैसे बोल देता।''

पत्नी गुस्से में बोली- ''जाओ अभी जाकर अपने प्रधानाचार्य से कहो कि मैं उसे नहीं निकाल सकता और अगर न माने, तो नौकरी से इस्तीफा देकर घर आना। अभी तुरंत जाओ।''

मैं अपने आंसू नहीं रोक पाई, रोते हुए मैने कहा बहन ये सब क्यों

ज्ञान जी की पत्नी ने मुझे डांटा और कहा- ''तुम बिल्कुल चुप रहो, नहीं तो कान पकड़ लूंगी। तुम क्यों बीच में बोलती हो। हम जब भी रहेंगे, तो एक साथ ही रहेंगे। अगर जिएंगे तो साथ, मरेंगे तो भी साथ।''

पति को सुनाते हुए कहा- ''इनकी आधी उम्र बीत गई, लेकिन इन्होने कुछ नहीं सीखा। अब खड़े क्यों हो, तुम्हें बोलने में डर लग रहा तो मैं जाकर कह दूं।''

ज्ञान जी ने गुस्सा होकर बोला- ''कल जाकर बोल दूंगा, इस समय पता नहीं वो होगा भी या नहीं।''

इधर पूरी रात मैं नहीं सो पाई, पिता व ससुरजी जिसे दोनों ने ठुकरा दिया हो। उस दासी को इन्होने इतनी इज्जत दी। ज्ञान जी की पत्नी सच में किसी देवी से कम नहीं है।

अगले दिन ज्ञान जी निकल रहे तभी पत्नी ने कहा- ''जवाब देकर आना।''

ज्ञान जी के जाने के बाद मैनें कहा- ''बहन तुम ये सही नहीं कर रही हो, मुझे ये बर्दाश्त नहीं हो रहा कि मेरी वजह से तुम्हारे परिवार पर परेशानी आए।''

ज्ञान जी की पत्नी से हंसते हुए कहा- ''हो गया या और कुछ बोलना है।''

ज्ञान जी की पत्नी ने पूछा कि अच्छा ये बता कि तुम्हारे स्वामी आज जेल की सजा क्यों काट रहे ? बस इसलिए क्योंकि वो राष्ट्रीय सेवकों की सेवा कर रहे थे। आखिर राष्ट्र की सेवा करने वाले वो लोग कौन हैं? ये हमारे लिए क्यों संघर्ष कर रहे हैं? इनका भी तो परिवार होगा, कारोबार होगा पर ये सब त्यागकर वो हमारे लिए लड़ रहे हैं। ऐसे लोगों की सेवा कर जेल जाने वाले तुम्हारे पति भी किसी वीर से कम नहीं। ऐसे वीर की पत्नी के दर्शन मात्र से ही आत्मा तृप्त हो जाएगी। फिर मै नहीं तू मुझपर एहसान कर रही है।

मैं चुपचाप उनकी बात सुनती रही और कुछ नहीं बोल पाई। संध्या हो गई ज्ञान जी घर आए, तो उनके चेहरे पर अलग सी चमक नजर आ रही थी।

पत्नी ने पूछा- ''हारकर आए या जीतकर?''

ज्ञान जी ने स्वाभिमान के साथ कहा- ''जीतकर!'' जब मैनें नौकरी से इस्तीफा दिया, तो उसका दिमाग चकरा गया। तभी उसने हाकिम जिला के पास जाकर बात की। वापस आकर उसने बोला आप राजनीतिक जलसों में क्यों नही शरीक होते।

मैंने बोला- ''ना भाई मैं कभी न जाऊं।''

उसने पूछा- ''क्या आप कांग्रेस के सदस्य हैं?''

मैंने बोला- ''नहीं, और न ही किसी सदस्य से मेरा कोई संबंध है।''

उसने पूछा- ''क्या कांग्रेस के फंड में आप दान करते हैं?''

मैनें बोला- ''ना भाई फूटी कौड़ी भी नहीं।''

उसने कहा- ''तो ठीक है मैने आपका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया।''

पत्नी ने ये सुनते ही ज्ञान जी को गले से लगा लिया।

कहानी से सीख

स्वाभिमान व त्याग की भावना से किया हर काम किसी के दिल में आपके लिए आत्मसम्मान को बढ़ा सकता है। साथ ही बुरा वक्त अपनों व परायों की सही पहचान भी करा देता है।

New Delhi

राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक भाजपा में शामिल, आप ने की राज्यसभा सदस्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी) आम आदमी पार्टी में बहुत बड़ी बगावत हो गई है। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने दावा किया कि उनके साथ आप के 7 सांसद हैं। उन सभी ने पार्टी को छोड़ दिया है। जब राघव चड्ढा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उनके साथ मंच पर 2 अन्य सांसद- संदीप पाठक और अशोक मित्तल भी नजर आए। इसके बाद, राघव चड्ढा अन्य दो सांसदों के साथ भाजपा मुख्यालय पहुंचे और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। फिर, इन तीनों सांसदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। हालांकि, आप ने भाजपा में जाने वाले इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है।

राघव चड्ढा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज भारत के संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के माननीय अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे हैं।' राघव चड्ढा ने कहा, 'जिस आम आदमी पार्टी को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल सिद्धांतों से भटक गई है। अब यह पार्टी राष्ट्रहित में नहीं, बल्कि अपने निजी फायदे के लिए काम कर रही है। पिछले कुछ साल से मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूं। इसलिए, आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं और जनता के करीब आ रहा हूं।'

P. bangal

पीएम मोदी ने हुगली नदी में नाव की सवारी की

कोलकाता, (एजेंसी) पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हुगली नदी में नाव की सवारी की है। इस दौरान पीएम ने खुद से फोटोग्राफी भी की। तस्वीरों में वे हाथ में कैमरा लिए नजर आ रहे हैं। उन्होंने नाविकों से बातचीत भी की। हुगली में नाव की सवारी कराने वाले नाविक को एक हजार रुपए भी दिए। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर नाव की सवारी वाली तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा, 'हर बंगाली के लिए गंगा का एक बहुत ही खास स्थान है। यह कहना गलत नहीं होगा कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है।' इससे पहले पीएम 19 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई। पीएम मोदी ने कोलकाता के हुगली घाट पर नाव की सवारी के बाद नाविक गौरांगो बिस्वास को गले लगाया और 1000 रुपए दिए। पीएम ने x पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- कल शाम हावड़ा से कोलकाता तक लंबे रोड शो के दौरान हावड़ा ब्रिज पर था। आज सुबह उसे हुगली नदी से देखा।

Maharashtra

डकैती की साजिश कर रहीं 9 महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई, (एजेंसी) मध्य रेल की आरपीएफ टीएम ने सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में चोरी-डकैती के प्रयास को विफल करते हुए एक महिला गिरोह की 9 महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि ये महिलाएं ट्रेनों में चोरी की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहीं थीं उसके पहले ही आरपीएफ टीम ने उन्हें पकड़ लिया। बताया गया कि 22 अप्रैल को मध्य रेल के सोलापुर डिवीजन के कुर्डुवाड़ी स्टेशन पर तैनात क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन स्क्वाड (सीपीडीएस) टीम के हेड कांस्टेबल शिवाजी मुंडे ने तीन महिलाओं को संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा। महिलाओं से उनके ठिकाने के बारे में पूछताछ की गई और स्टेशन छोड़ने की चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इन महिलाओं को 22108 लातूर एक्सप्रेस में चढ़ते हुए देखा गया, जिसके बाद सोलापुर टीम को पूरे सेक्शन में हाई अलर्ट जारी करने के लिए सूचित किया गया। समझा जाता है कि ये महिलाएं ट्रेनों में चोरी की वारदात को अंजाम देने के पहले रेकी कर रही थीं। संदिग्ध महिलाएं जेउर स्टेशन पर उतर गईं, जहां से वे चोरी-डकैती करने के इरादे से 12115 सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में सवार हुईं।

Chhattisgarh

रोमांस के दौरान छत से गिरा कपल, प्रेमी की मौत

बिलासपुर, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रोमांस के दौरान छत से नीचे गिरने से प्रेमी की मौत हो गई। 21 अप्रैल को चिरंजीव पांडे (23) और गरिमा सिंह (23) अभिलाषा परिसर के 3 मंजिला छत पर मौजूद थे, जहां देर रात दोनों ने शराब पी और रेलिंग पर हाथ पकड़कर बैठे थे। इस दौरान बैलेंस बिगड़ने से गिर पड़े।

मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है। नीचे गिरते ही दोनों बुरी तरह से घायल हो गए। बॉयफ्रेंड दर्द से कराहते हुए चिल्लाने लगा। वहीं गर्लफ्रेंड भी रोने लगी। कुछ ही देर में दोनों की आवाज बंद हो गई थी। घटना की जानकारी अगले दिन सुबह लोगों को मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। लड़की के कमर और रीढ़ की हड्डी टूटी है। जांच में पता चला है कि, दोनों के बीच पिछले 3 साल से अफेयर था। चिरंजीव पांडे (23) शुभम कॉम्प्लेक्स परिसर के पास रहता था

और चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी में काम करता था। इसके साथ ही जोमेटो में डिलीवरी ब्वॉय का भी काम करता था, जबकि गरिमा शादी डॉट काम में काम करती थी।

खेल

चिन्नास्वामी में आरसीबी की इस सीजन की चौथी जीत पांचवीं बार 200+ का स्कोर चेज करने में सफल रही टीम

बंगलूरू, (एजेंसी) रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने साई सुदर्शन की शतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 18.5 ओवर में पांच विकेट पर 206 रन बनाए। उनके लिए विराट कोहली ने 81 और देवदत्त पडिक्कल 55 रनों की पारियां खेलीं। वहीं, गुजरात के लिए राशिद खान ने दो विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज, जेसन होल्डर और मानव सुथार ने एक-एक सफलता हासिल की।

इस मैदान पर मौजूदा सत्र की यह आरसीबी की चौथी जीत है। इससे पहले टीम को दिल्ली कैपिटल्स ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में हराया था। इसके अलावा आईपीएल इतिहास की यह आरसीबी की इस मैदान पर

50वीं जीत है। वहीं, आरसीबी ने आईपीएल में पांचवीं बार 200+ रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। इस मामले में टीम ने राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की बराबरी कर ली। दोनों ही टीमें पांच-पांच बार आईपीएल में 200+ का लक्ष्य सफलतापूर्क चेज कर चुकी हैं। 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जैकब बेथेल 10 गेंदों में 14 रन बनाने के बाद मोहम्मद सिराज का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 115 रनों की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए महज 27 गेंदों पर 55 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, कोहली ने 44 गेंदों का सामना करते हुए आठ चौके और चार छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ आठ रन बनाकर मानव सुथार का शिकार बने। जितेश शर्मा 10 रन बनाने के बाद राशिद खान की गेंद पर मानव के हाथों में कैच देकर पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद टिम डेविड और क्रुणाल पांड्या की जोड़ी ने आरसीबी को कोई और झटका नहीं लगने दिया। डेविड 10 रन बनाकर नाबाद रहे, तो क्रुणाल ने 12 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 23 रन बनाए। गेंदबाजी में गुजरात टाइटंस की ओर से राशिद खान ने सर्वाधिक दो विकेट निकाले, जबकि जेसन होल्डर और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, गुजरात ने आरसीबी के खिलाफ आईपीएल में अब तक का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। साल 2024 में गुजरात ने आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट गंवाकर 200 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए थे, जो टीम का अब तक का सर्वाधिक स्कोर था। जीटी को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने बेहतरीन शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 12.4 ओवर में 128 रनों की साझेदारी निभाई।

सिनेमा

33 साल बाद 'खलनायक' बनकर लौटे संजय दत्त, लंबे बाल-दाढ़ी में दिखा इंटेंस लुक, बोले- नायक नहीं मैं ..

1993 की सुपरहिट फिल्म खलनायक की यादें आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा हैं. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाया था. अब 33 साल बाद खलनायक फिर से लौटने वाला है. अपना दिल थामकर रखिए क्योंकि खलनायक रिटर्न्स का धमाकेदार आगाज हो गया है. संजत दत्त सालों बाद फिर से खलनायक बनकर लौटे हैं. मूवी का फर्स्ट लुक अनाउंसमेंट वीडियो सामने आया है. वीडियो का पहला ही सीन खौफनाक है. खून-खराबा दिखाया गया है. चारों तरफ आग लगी हुई है. हर ओर लाशें बिछी हैं. तभी खून से लथपथ एक शख्स के सामने संजय दत्त आकर बैठते हैं. एक्टर के चेहरे पर चोट के निशान हैं. खून निकल रहा है. वो टशन में अपनी सिगार जलाते हैं. टीजर में संजय दत्त का खूंखार अंदाज दिखा है. लंबे बाल, दाढ़ी में उनका इंटेंस लुक खौफ पैदा करता है. उनके सामने पड़ा शख्स जान की भीख मांग रहा है. उससे संजय कहते हैं- बोला था ना, रात के 10 बजे बल्लू जेल से फुरररर... नायक नहीं खलनायक हूं मैं. संजय दत्त का स्वैग दमदार है. उनका किलर लुक देख फैंस क्रेजी हो रहे हैं.

Highlights

1. We seek time to reply within 1 week: Congress on EC's 24-hr notice to Kharge
2. Narcotics Control Bureau issues advisory for Indians travelling to Maldives
3. Iran shares 'reduce the random 'bakwaas'' post for Trump over 'hellhole' remark for India
4. India and New Zealand to sign Free Trade Agreement next week
5. Court hearings used as tool in campaigning: TMC on I-PAC case

As countries ban social media for kids, Meta makes a direct pitch to parents

NEW DELHI, (Agency). Even as Turkey joins the list of countries that intend to ban social media access for children and teens, Meta which finds itself impacted the most, is again trying to convince parents that its Teen Accounts proposition is safe. Turkish lawmakers, this week, have passed a bill that includes restricting social media access to children under the age of 15 years, marking continuity for a global trend to protect children from often dangerous activity on these platforms. Turkish President Recep Tayyip Erdogan now has 15 days to accept the bill, after which it becomes a law.

The bill will mandate social media platforms including Meta's Facebook, Threads and Instagram, as well as other social media companies including X, Pinterest, TikTok, YouTube, Twitch, Kick, Reddit, band Snapchat, to put in place age-verification systems and extensive parental controls. Governments also expect social media companies to respond and take down content they deem harmful for children, and the wider societal fabric. The addition of artificial intelligence (AI) chat features within these apps, adds another layer of possibly dangerous complexity.

"We are living in a period where some digital sharing applications are corrupting our children's minds and social media platforms have, to put it bluntly, become cesspools," Erdogan minced no words in a televised address in Turkey, this week, ahead of the bill being passed by lawmakers. Turkey isn't the only country concerned about the risks and pressures of young adults on social media platforms, with often documented instances of suicide, cyberbullying, addiction and exposure to violent content. Case in point, in 2024, Meta CEO Mark Zuckerberg was asked by lawmakers in the U.S. as to why Meta allowed drug dealers to post ads on the company's social media platforms—a report by watchdog group Tech Transparency Project had found more than 450 ads on Instagram and Facebook selling an array of pharmaceutical and other drugs. Turkey's move adds momentum to what is now a global response to often uncontrolled content sharing on social media, which is incredibly easy to otherwise access. Australia, in December, became the first country to ban social media for children under the age of 16 years. In January, France passed a bill to ban social media access for children 15 years or younger.

RBI cancels Paytm Payments Bank licence

NEW DELHI, (Agency). The Reserve Bank of India (RBI) has cancelled the banking licence issued to Paytm Payments Bank Ltd., more than two years after the regulator imposed business curbs over violations, including lapses in customer due diligence.

Backed by One97 Communications Ltd., which once counted China's Ant Group and Japan's SoftBank as investors, Paytm had obtained a limited banking license in August 2015 that allowed it to take small deposits but not give out loans.

In January 2024, the Reserve bank of India had ordered the bank to stop accepting fresh deposits due to, what it said at the time, non-compliance with rules, including on customer due diligence, use of funds and technology infrastructure.

The RBI said on Friday it would make an application for winding up of the bank before the high court.

While the bank remains operational, its activities are severely limited to processing withdrawals of existing deposits and facilitating loan referrals through banking correspondents, according to its website. It cannot take fresh deposits.

भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत किए जाए सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्य: अपर प्रमुख सचिव श्री दुबे

सिंहस्थ 2028 में करीब 6 करोड़ श्रद्धालुओं का ओंकारेश्वर पहुंचना अनुमानित: कलेक्टर श्री गुप्ता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अपर प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संजय दुबे ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए ओंकारेश्वर में किए जाने वाले सभी निर्माण कार्यों में भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में सिंहस्थ के व्यस्ततम समय के लिए अनुमानित दर्शन क्षमता के अनुरूप भीड़ प्रबंधन के लिए होल्डिंग एरिया, आमजन और विशिष्टजन के लिए पृथक कारिडोर तथा आपातकालीन चिकित्सा रूट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग क्षेत्र में ईवी चार्जिंग प्वाइंट, ई-कार्ट, बैटरी संचालित साइकिल और व्हीलचेयर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने पैदल चलने वाले दर्शनार्थियों के लिए थोड़ी थोड़ी दूरी पर पेयजल की व्यवस्था करने तथा घाटों के समीप कुंड तैयार किए जाने के निर्देश दिए। श्री दुबे ने सिंहस्थ 2028 से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्यों की टेंडर की स्थिति, बजट प्रावधान और निर्माणाधीन कार्यों की वर्तमान

स्थिति की भी समीक्षा की।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने कहा कि कुबेर भंडारी और ट्रेंचिंग ग्राउंड पर तैयार किए जाने वाली पार्किंग सुविधा के लिए मास्टरप्लान के अनुरूप वन अनुमति शीघ्र प्राप्त की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गृह विभाग के जवानों की मंदिर, घाट, पार्किंग, इत्यादि क्षेत्रों के सम्बन्ध में स्पॉट ट्रेनिंग कर केवल प्रशिक्षण वाले क्षेत्र में ही तैनाती किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में खण्डवा जिला कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता ने बताया कि सिंहस्थ 2028 में करीब 6 करोड़ श्रद्धालुओं का ओंकारेश्वर पहुंचना अनुमानित है। उन्होंने सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मोरटक्का रेलवे स्टेशन, कोठी से ओंकारेश्वर लेफ्ट बाईपास और ओंकारेश्वर से कोठी राइट बाईपास रोड और अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों की जानकारी दी।

बैठक में प्रबंध संचालक, मप्र पर्यटन विकास निगम डॉ इलैयाराजा टी सहित गृह, स्वास्थ्य, वन, लोक निर्माण-भवन, सेतु व सड़क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग; तथा नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नगर एवं ग्राम निवेश, मप्र विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से पूर्व अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कृष्णपुरा के पास बेसुध मिली महिला, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमजी रोड इलाके की कृष्णपुरा छत्री के पास एक महिला बेसुध हालत में मिली। परिवार ने उनके मायके पक्ष के लोगों को जानकारी दी। उन्हें दो अलग-अलग अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

एमजी रोड पुलिस ने बताया कि पलासिया निवासी सीमा उर्फ नीता प्रजापत गुरुवार को अपने घर से लापता हो गई थी। वह उसी दिन कृष्णपुरा छत्री के पास मिली। भाई अमन उसे अस्पताल ले गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने शुक्रवार को पति शक्ति प्रजापत पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। भाई का कहना है कि घरेलू विवाद के चलते परेशान होकर उनकी बहन घर से चली गई थी। जीजा शक्ति आए दिन मारपीट करता था। उसके शरीर पर चोट के निशान भी थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। बता दें, सीमा का पति हलवाई का काम करता है। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में भी एक घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। यहां प्रताड़ना से परेशान होकर एक महिला ने जहर पी लिया है। महिला को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने बयान के आधार पर पति के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। गांधीनगर पुलिस के मुताबिक 27 वर्षीय प्रतिभा बामने की शादी वर्ष 2018 में रवि बामने से सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हुई थी। शुरुआती समय में सब कुछ सामान्य रहा और दंपति के दो बच्चे हैं। पीड़िता ने बताया कि कुछ समय बाद पति रवि शराब पीने लगा और छोटी-छोटी बातों पर मारपीट व अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगा। हाल के दिनों में प्रताड़ना बढ़ गई, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गई।

श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन हेतु "Shram Star Rating System" लागू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। श्रम विभाग मध्यप्रदेश शासन राज्य के श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रम सेवा पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणिज्यिक संस्थानों हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण पहलें की गई है। इसी क्रम में विभाग द्वारा 'Shram Star Rating System' लागू किया गया है। यह एक स्व-मूल्यांकन आधारित, निष्पक्ष एवं स्वचालित प्रणाली है, जिसके माध्यम से संस्थानों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर उनके श्रम कानूनों के अनुपालन स्तर का मूल्यांकन कर उन्हें स्टार रेटिंग प्रदान की जाती है। इस प्रणाली के माध्यम से श्रम कानूनों के प्रभावी पालन को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा अनुपालन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है। इसके परिणामस्वरूप कार्य संस्कृति में सुधार, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार तथा संस्थानों के मध्य सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला है।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक
सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें
"एक सलाहकार और शुभचिंतक"
।। बाबापण्डित ।।
(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)
आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।
- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -
एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान
एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान
एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान
एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीक सुंदरकांड अनुष्ठान
त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान
इसके अन्यत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।
कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करे।
Email - babapandit.in@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक